



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1
PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 200] नई दिल्ली, बुधवार, नवम्बर 15, 1995/कार्तिक 24, 1917
No. 200] NEW DELHI, WEDNESDAY, NOVEMBER 15, 1995/KARTIKA 24, 1917

वित्त मंत्रालय
(प्राथमिक कार्य विभाग)

वैकिंग प्रभाग

नई दिल्ली, 15 नवम्बर, 1995

संकाय

एफ. सं. 3/5/85 एम. सी. डी. (बी) :— माननीय उच्च न्यायालय, बम्बई के दिनांक 17 अगस्त, 1995 के आदेश के अनुसरण में, भारत सरकार अपने वित्त मंत्रालय प्राथमिक कार्य विभाग (वैकिंग प्रभाग) में एतद्वारा एक समिति का गठन करती है, जिसमें निम्नलिखित शामिल होंगे :—

1. अध्यक्ष

श्री एस. शोरेस्वामी
उपाध्यक्ष,
भारतीय बैंक संघ,
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक,
सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया,
बम्बई।

2. सदस्य

श्री के. के. मुदगिल,
मुख्य महाप्रबंधक,
प्रशासन और कार्मिक प्रबंधक विभाग,
भारतीय रिजर्व बैंक
बम्बई।

3. सदस्य

श्री एन. गोमतीनायक,
उप प्रबंध निदेशक और
कार्पोरेट विकास अधिकारी,
भारतीय स्टेट बैंक,
बम्बई।

4. सदस्य

श्री के. एम. महरोत्रा,
महाप्रबंधक (कार्मिक),
बैंक ऑफ इंडिया, बम्बई।

5. सदस्य

श्री. डे. एम. बाबुराजन,
महाप्रबंधक (कार्मिक),
सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया,
बम्बई।

6. सदस्य

श्री जी. समल,
महाप्रबंधक (कार्मिक),
यूनियन बैंक ऑफ इंडिया,
बम्बई।

7. सदस्य सचिव

श्री के. वी. कृष्णकृति,
वैयक्तिक सलाहकार
भारतीय बैंक संघ,
बम्बई।

2. समिति के विचारणीय विषय निम्नलिखित होंगे :—

(क) राष्ट्रीयकृत बैंकों या भारतीय स्टेट बैंक या भारतीय रिजर्व बैंक में दृष्टि विकलांग व्यक्तियों को उपलब्ध कराने के लिए पदों की पहचान करना ताकि सभी बैंकों द्वारा एक-समान दृष्टिकोण और नीति का कार्यान्वयन सुनिश्चित किया जा सके।

(ख) अन्य कोई मामला जो उपर्युक्त संदर्भ की शर्तों के प्रायोगिक हों।

3. समिति निम्नलिखित व्यक्तियों और अन्य संबंधित व्यक्तियों को अवसर मजूर करेगी जो बैंकों में उपयुक्त उन पदों का आगे और पता लगाने के लिए समिति के पास अलग-अलग अध्यावेदन भेजेंगे, जिसे दृष्टि विकलांग व्यक्तियों सहित शारीरिक रूप से विकलांग व्यक्तियों को उपलब्ध कराया जा सके और जो समिति के पास अध्यावेदन भेजने के इच्छुक हों, अर्थात् :—

(i) श्री मुहम्मद बसंत कानिक,

बी-7, निरुपति महात्मा फुले रोड,

मुम्बई ईस्ट, बम्बई—400081

जो 1993 का रिट याचिका सं. 1328 में याचक है।

(ii) बैंक आफ इंडिया, एक राष्ट्रीयकृत बैंक, जो एक मासिक निकाय है और एक एक्सप्रेस टावर नरीमन पोइंट बम्बई में इसका प्रधान कार्यालय है।

(iii) भारतीय बैंक संघ, जो बैंक प्रबंधन के लिए पंजीकृत संघ है और नरीमन रोड, बम्बई में इसका कार्यालय है।

(iv) राष्ट्रीय दृष्टिहीन संघ जो एक पंजीकृत संघ है और 11-12, ज्ञान अरदुल गफ्फार खां मार्ग, वर्ली, सीफीस बम्बई में इसका कार्यालय है।

(v) बैंक आफ इंडिया कर्मचारी संघ जो एग्राईवोर्डिंग से संबंधित युनियन है और बैंक आफ इंडिया मुख्य शाखा, महात्मा गांधी रोड बम्बई-400001 में इसका कार्यालय है।

(vi) इससे संबंधित अन्य कोई व्यक्ति जो समिति के पास अध्यावेदन भेजने का इच्छुक हो।

4. समिति स्वयं अपनी प्रक्रिया तैयार करेगी और ऐसी सलाहकारों, सहायक परामर्शदाताओं और विशेषज्ञों की नियुक्ति करेगी जिन्हें वह किसी खास उद्देश्य के लिये आवश्यक समझेगी वह ऐसी सूचनाएँ मांग सकती है, और ऐसे साक्ष्य ले सकती है जिन्हें वह आवश्यक समझे सभी राष्ट्रीयकृत बैंक भारतीय स्टेट बैंक और भारतीय रिजर्व बैंक समिति द्वारा अपेक्षित सभी जानकारी और दस्तावेज तथा अन्य सहायता उपलब्ध करावे भारतीय संघ को विश्वास है कि राज्य सरकारें, राष्ट्रीयकृत बैंकों, भारतीय स्टेट बैंक और भारतीय रिजर्व बैंक के सेवा संघ समिति को अपना पूर्ण सहायता और महत्त्व प्रदान करेंगे।

5. समिति भारत संघ को अपनी रिपोर्ट तथा सम्भव शीघ्र परन्तु 16 फरवरी, 1996 से पहले देगी।

6. समिति की रिपोर्ट प्राप्त होने पर भारत संघ, इस रिपोर्ट की प्राप्ति की तारीख से तीन महीने के भीतर उपयुक्त निर्णय लेगी।

7. भारत संघ, उपर्युक्त पैराग्राफ -3 में उल्लिखित सभी पक्षों की इस रिपोर्ट और उस पर किए गए अपने अंतिम निर्णय की एक-एक प्रति देगा।

8. भारत संघ यथा शीघ्र परन्तु 16-8-96 से पहले, मानवीय उच्च स्थापना, बम्बई में उनका रिपोर्ट और उस पर किए गए अपने निर्णय की एक प्रति पेश करेगा।

आदेश

आदेश दिया जाता है कि इस सकल्प को भारत के राजपत्र में प्रकाशित किया जाए।

यह भी आदेश दिया जाता है कि सकल्प की एक-एक प्रति सभी राष्ट्रीयकृत बैंकों, भारतीय स्टेट बैंक, भारतीय रिजर्व बैंक और अन्य सभी संबंधितों को भेजी जाए।

डा. वार्ड. बी. रंजडी, सचिव

MINISTRY OF FINANCE
(Department of Economic Affairs)

Banking Division

New Delhi, the 15th November, 1995

RESOLUTION

F. No. 3/5/95-SCT (B).—In pursuance of Order dated 17th August, 1995 of the Honable High Court of Judicature at Bombay 'the Union of India in its Ministry of Finance, Department of Economic Affairs (Banking Division) hereby appoints a committee comprising the following, namely:—

- | | |
|-------------|--|
| 1. Chairman | Shri S. Doreswamy,
Deputy Chairman,
Indian Banks Association,
Chairman & Managing
Director,
Central Bank of India,
Bombay. |
| 2. Member | Shri K.K. Mudgil,
Chief General Manager,
Department of Admn. and
Personal Management,
Reserve Bank of India,
Bombay. |
| 3. Member | Shri N. Gomathinayagam,
Deputy Managing Director
and Corporate Develop-
ment Officer,
State Bank of India,
Bombay. |
| 4. Member | Shri K.M. Mehrotra,
General Manager (P),
Bank of India,
Bombay. |
| 5. Member | Shri N. Balkrishnan,
General Manager (P),
Central Bank of India,
Bombay. |
| 6. Member | Shri B. Samal,
General Manager (P),
Union Bank of India,
Bombay. |

7. Member Secretary Shri K.V. Krishna Murthy,
Personal Adviser,
Indian Banks Association
Bombay.

2. The terms of reference of the Committee will be as follows:—

(a) To identify the posts which may be made available to the persons who are visually handicapped in the nationalised banks or the State Bank of India or Reserve Bank of India so as to ensure uniformity of approach and implementation of policy by all the Banks,

(b) to consider any other matter incidental to the above terms of reference.

3. The committee shall grant an opportunity to the following persons who may make respective representations to the Committee for further identification of suitable posts in the banks which can be made available to the physically handicapped including visually handicapped persons and any other persons concerned who may desire to make representation to the Committee, namely:—

- (i) Shri Suhas Vasant Karnik,
B-7, Tirupati Mahatma Phule Road,
Mulund East, Bombay-400081,
being a petitioner in Writ Petition No. 1368 of 1993;
- (ii) Bank of India, a nationalised bank being a statutory body having its head office at Express Tower, Nariman Point, Bombay;
- (iii) Indian Banks Association being a registered association for banks' management having its Office at Nariman Road, Bombay;
- (iv) National Association for the Blind being registered association having its office at 11-12, Khan Abdul Gafar Khan Marg, Worli, Sea face, Bombay;
- (v) Bank of India Staff Association being a Trade Union affiliated to AIBEA having its Office at Bank of India, Main Branch, Mahatma Gandhi Road, Bombay-400001;

(vi) any other person concerned who may desire to make representation to the Committee.

4. The Committee will devise its own procedure and may appoint such advisors, institutional consultants and experts as it may consider necessary for any particular purpose. It may call for such information and take such evidence as it may consider necessary. All the nationalised banks, State Bank of India and Reserve Bank of India will furnish such information and documents and other assistance as may be required by the Committee. The Union of India trusts that the State Governments, Service Associations in the Nationalised Banks, State Bank of India and Reserve Bank of India will extend to the Committee, their fullest cooperation and assistance.

5 The Committee shall make its report to the Union of India as soon as feasible but not later than 16th of February, 1996.

6. The Union of India shall on receipt of the report of the Committee, take appropriate decision within three months from the date of the receipt of the report.

7. The Union of India shall furnish a copy of the report and its final decision thereon to all the parties mentioned in paragraph 3 above.

8. The Union of India shall file a copy of the said report and its decision thereon with the Hon'ble High Court of Judicature of Bombay as early as possible but not later than 16-8-1996.

ORDER

Ordered that the Resolution be published in the Gazette of India.

Ordered also that a copy of the resolution be communicated to all the nationalised banks, State Bank of India, Reserve Bank of India and all others concerned.

DR. Y.V. REDDY, Secy.

